Exam India
Unit Of Azad Group

परिच्छेद

परिच्छेद 1

'आनुवंशिक रूपान्तरण [जेनेटिक मॉडिफिकेशन (GM)]' प्रौद्योगिकी को व्यापक और सुविचारित रूप से अपनाने के मार्ग में जो गतिरोध है, वह है 'बौद्धिक सम्पदा अधिकार' की व्यवस्था, जो ऐसी प्रौद्योगिकियों के लिए गैर–सरकारी एकाधिकार सृजित करना चाहती है। यदि GM प्रौद्योगिकी अधिकांशतः कम्पनी चालित हो, तो यह लाभ को अधिकतम करना चाहती है और वह भी थोड़ी ही अवधि में। यही कारण है कि कम्पनियाँ शाकनाशी – सहिष्णु और नाशक जीव–प्रतिरोधी फसलों के लिए बड़े निवेश करती हैं। ऐसे गुणधर्म थोड़े समय के लिए ही बने रह पाते हैं, क्योंकि काफी जल्दी ही नाशक जीव और खरपतवार विकसित होने लगेंगे और ऐसे आयोग ने यह बात उठाई थी कि आनुवंशिक रूपान्तरण में प्राथमिकता ऐसे जीन के समावेशन को दी जानी चाहिए जो सूखा, लवणता और अन्य कष्टकर प्रभावों के लिए प्रतिरोध प्रदान करने में सहायक हों।

Exam India
Unit Of Azad Group

1. निम्नलिखित में से कौन–सा एक, उपर्युक्त परिच्छेद द्वारा दिया गया सर्वाधिक तर्कसंगत, विवेकपूर्ण और निर्णायक सन्देश है?

(a) लोक अनुसन्धान संस्थाओं को GM प्रौद्योगिकी में अग्रणी होना चाहिए और इस प्रौद्योगिकी की प्राथमिकताओं को तय करना चाहिए

(b) विकासशील देशों को यह मुद्दा WTO में उठाना चाहिए और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों का समापन सुनिश्चित करना चाहिए

(c) गैर–सरकारी कम्पनियों को भारत में कृषि व्यवसाय (ऐग्री–बिजनेस) करने, खास कर बीज का व्यापार करने की अनुमति नहीं होनी चाहिए

(d) वर्तमान भारतीय परिस्थितियाँ आनुवंशिकतः रूपान्तरित फसलों की कृषि के पक्ष में नहीं हैं

Exam India
Unit Of Azad Group

2. उपर्युक्त परिच्छेद के आधार पर निम्नलिखित पूर्वधारणाएँ बनाई गई हैं

1. कृषि से सम्बन्धित प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव के मुद्दे पर GM प्रौद्योगिकी कम्पनियों द्वारा समुचित विचार नहीं किया जा रहा हैं।
2. अन्ततोगत्वा, GM प्रौद्योगिकी भूमण्डलीय तापन के कारण उत्पन्न होने वाली कृषि समस्याओं का समाधान नहीं कर पाएगी।

उपर्युक्त में से कौन–सी पूर्वधारणा/पूर्वधारणाएँ वैध है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

Exam India
Unit Of Azad Group

परिच्छेद 2

अधिकांश आक्रामक जातियाँ (इन्वेसिव स्पीशीज) न तो घोर रूप से सफल हैं, न ही अत्यन्त नुकसानदेह हैं। ब्रिटेन के आक्रामक पादप न तो व्यापक रूप से फेले हैं, न ही खास तेजी से फेलते है और अक्सर ब्रैकेन की तरह के प्रबल प्राकृत पादपों की अपेक्षा कम परेशान करने वाले हैं। नई जातियों का आगमन लगभग हमेशा ही किसी क्षेत्र में जैव–विविधता को बढ़ा देता है बहुत से मामलों में नवागंतुकों की बाढ़ किसी भी प्राकृत जाति को विलोपन की तरह नहीं लो जाती । इसका एक कारण यह है कि आक्रामक पादप प्रदूषित झीलों और उद्योगोत्तर व्यर्थ भूमि की तरह के विक्षुब्ध पर्यावासों को, जहाँ और कुछ भी जीवित नहीं रहता, उपनिवेशित करने की ओर प्रवृत्त होते हैं। वे प्रकृति के अवसरवादी हैं।

Exam India
Unit Of Azad Group

1. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन–सा एक, सर्वाधिक तर्कसंगत और विवेकपूर्ण निष्कर्ष निकाला जा सकता हैं?

(a) आक्रामक जातियों का उपयोग किसी देश के मरू क्षेत्रों और व्यर्थ भूमियों के पुनर्वासन के लिए किया जाना चाहिए।

(b) विदेशी पादपों के सन्निवेशन के विरूद्ध कानून अनावश्यक हैं।

(c) कभी–कभी विदेशी पादपों के विरूद्ध मुहिम चलाना निरर्थक होता है।

(d) विदेशी पादपों का उपयोग किसी देश की जैव–विविधता बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए।

Exam India
Unit Of Azad Group

परिच्छेद 4

हमारे नगरों की आयोजना में ऐतिहासिक रूप से कामगार और निर्धन लोगों के हितों की उपेक्षा की जाती रही हैं। हमारे नगर वर्धमान रूप से असहिष्णु, असुरक्षित और अधिसंख्य नागरिकों के लिए न रहने योग्य स्थान बनते जा रहे हैं, तथापि हमने पुराने तरीकों–स्थिर विकास योजना से ही योजना बनाना जारी रखा हुआ हैं, जो लोगों के जीवन, अनुभवों और आवश्यकताओं से दूरी बनाए रखते हुए और बहुत सारे लोगों, स्थानों, कार्यकलाप और प्रथाओं को, जो किसी नगर का अविच्छिन्न भाग होते हैं, सक्रिय रूप से शामिल न रखते हुए, अनन्यतः तकनीकी विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं।

Exam India
Unit Of Azad Group

1. यह प्रतीत होता है कि इस परिच्छेद में

(a) भवन निर्माताओं के एकाधिकार तथा सम्भ्रान्त समूहों के हितों के विरूद्ध तर्क प्रस्तुत किया गया है

(b) विश्वस्तरीय और सुव्यवस्थित (स्मार्ट) नगरों की आवश्यकता के विरूद्ध तर्क प्रस्तुत किया गया है

(c) मुख्यतः कामगार वर्ग और निर्धन लोगों के लिए नगरों की योजना बनाने के पक्ष में तर्क प्रस्तुत किया गया है

(d) नगर आयोजना में जनता के समूहों की भागीदारी के पक्ष में तर्क प्रस्तुत किया गया है

Exam India
Unit Of Azad Group

परिच्छेद 6

भारत में ऐसे बैंकिंग सम्पर्की हैं, जो दूर–दराज के पिछड़े क्षेत्रों के लोगों को बैंकिग के दायरे में लाने में मदद करते है। वे ऐसा कर सके, इसके लिए बैंक लागतों में कोई कभी नहीं कर सकते। वे वित्तीय शिक्षा और साक्षरता में निवेश करने की उपेक्षा भी नहीं कर सकते। बैंकिग सम्पर्की एक तरह से इतने कम हैं कि उन्हें व्यवस्थागत जोखिम के रूप में नहीं देखा जा सकता। तथापि, भारत के बैकिंग नियामक ने प्रतिबन्ध लगा रखा है कि वे केवल एक बैंक के लिए कार्य करें। सम्भवतः अन्तर–पणन (आर्बिट्रेज)से बचाव के लिए। बैकिंग तक परी पहुँच लाने के प्रयासों में तभी सफलता मिल सकती है, जब दूर–दराज में काम करने वाले आखिरी छोर के ऐसे कार्यकर्ताओं के लिए और उन प्रबन्धकों के लिए भी, जो न केवल आधारभूत बैंक लेखाओं को, बल्कि दुर्घटना एवं जीवन बीमा तथा लघु पेंशन योजनाओं जैसे उत्पादों को भी सुनिश्चित करते हैं।

Exam India
Unit Of Azad Group

1. उपर्युक्त परिच्छेद से निम्नलिखित में से कौन–सा एक, सर्वाधिक तर्कसंगत, विवेकपूर्ण और निर्णायक निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(a) भारत के दूर–दराज के पिछड़े क्षेत्रों के लोगों को बैंकिंग के दायरे में लाने के प्रयास सफल नहीं हुए हैं।

(b) सार्थक वित्तीय समावेशन के लिए, भारत की बैंकिंग प्रणाली में और अधिक संख्या में बैंकिंग सम्पर्कियों तथा आखिरी छोर के ऐसे अन्य कार्यकर्ताओं की आवश्यकता है।

(c) भारत में सार्थक वित्तीय समावेशन के लिए इस बात की आवश्यकता है कि बैंकिंग सम्पर्कियों के पास विविध कौशल हों।

(d) बैंकिंग तक बेहतर पहुँच तब तक असम्भव होगी, जब तक कि प्रत्येक बैंकिंग सम्पर्की को अनेक बैंकों के लिए काम करने की अनुमति न हो।

Exam India
Unit Of Azad Group

Exam India
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभानी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

Exam India
Unit Of Azad Group